प्रसार भारती
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी रायपुर (छत्तीसगढ़)

प्रादेशिक समाचार बुलेटिन

1910 गुरूवार **दिनांक 24.07.2025**

आज के मुख्य समाचारः–

1– बस्तर संभाग के पांच जिलों में आज छियासठ माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण–इन पर दो करोड़ रूपए से अधिक का इनाम घोषित था।
2– शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत दूसरे दौर की लॉटरी अब इकतीस जुलाई को निकाली जाएगी।
3– राज्यभर में आज पांरपरिक उल्लास के साथ मनाया जा रहा है लोक पर्व हरेली–जगदलपुर में पाटजात्रा विधान के साथ शुरू हुआ बस्तर दशहरा पर्व।
4– मौसम विभाग के अनुसार अगले चौबीस घंटों के दौरान मध्य छत्तीसगढ़ के जिलों में हो सकती है भारी से अति भारी वर्षा।

अब समाचार विस्तार से .....

माओवादी–आत्मसपर्मण

प्रदेश के बीजापुर, कांकेर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और सुकमा जिलों में आज दो करोड़ सत्ताईस लाख रूपए से अधिक के इनामी छियासठ माओवादियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है।

बीजापुर जिले में पच्चीस माओवादियों ने बस्तर पुलिस महानिरीक्षक पी. सुंदरराज, अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक कमलोचन कश्यप और पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र यादव के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। इन माओवादियों पर एक करोड़ पंद्रह लाख रूपए का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पित माओवादियों में ओड़िशा में सक्रिय माओवादी नेता रमन्ना, नेशनल पार्क एरिया कमेटी के सदस्य सुक्खू और कमलू समेत बड़े कैडर के माओवादी शामिल हैं।

वहीं, दंतेवाड़ा जिले में भी लोन वर्राटू अभियान से प्रभावित होकर पन्द्रह माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें से पांच माओवादियों पर सत्रह लाख रूपए का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पित माओवादियों में एक दम्पति भी शामिल हैं। ये माओवादी करीब बीस वर्षों से माओवादी संगठन में सक्रिय थे और इन पर विभिन्न घटनाओं में शामिल रहने का आरोप है।

उधर, कांकेर जिले में माओवादियों की मिलिट्री कंपनी नम्बर–एक के कमांडर सहित तेरह इनामी माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इन सभी पर बासठ लाख रूपए का इनाम घोषित था। यह सभी माओवादी कांकेर जिले के रावघाट–परतापुर एरिया कमेटी और माड़ डिवीजन में सक्रिय थे।

माओवादी–आत्मसमर्पण–02

वहीं, नारायणपुर जिले में आज कुल तैंतीस लाख रूपए के इनामी आठ माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें पीएलजीए बटालियन के प्लाटून–वन और प्लाटून–सिक्सटीन के पांच माओवादी शामिल हैं। हथियार बनाने वाली टीम के कमांडर मुकेश और उसके दो साथियों ने भी आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पित माओवादियों में चार महिलाएं भी शामिल हैं।

उधर, सुकमा जिले में सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर पांच माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। ये सभी जगरगुंडा और चिंतलनार इलाके में सक्रिय थे।

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि बस्तर संभाग में पिछले 18 महीनों के दौरान पन्द्रह सौ से अधिक माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

वहीं, बीजापुर में आत्मसमर्पण करने वाले एक माओवादी ने कहा है कि वह नक्सलियों की विचारधारा से तंग आ चुका था।

आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादियों को पचास–पचास हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि दी गई। इन सभी को राज्य शासन की पुनर्वास नीति के अन्य प्रावधानों का भी लाभ दिया जाएगा।

आरटीई–लॉटरी

स्कूल शिक्षा विभाग ने चालू शैक्षणिक वर्ष के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम–आरटीई के तहत छात्रों की सीटों के आवंटन और दूसरे दौर की लॉटरी की तिथि बढ़ा दी है। पहले लॉटरी और सीटों का आवंटन बाईस और तेईस जुलाई को होना था। अब लॉटरी इकतीस जुलाई को होगी। वहीं, प्रवेश प्रक्रिया इकतीस जुलाई से दस अगस्त तक चलेगी।

कृषि–प्रशिक्षण कार्यशाला

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यशाला का कल समापन हुआ। कृषि वैज्ञानिकों और प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को संवाद कौशल, संभाषण कौशल और प्रस्तुतीकरण कौशल विकास के साथ ही ग्राफिक डिजाइनिंग, पावर पाइंट प्रेजेंटेशन निर्माण, विडियो प्रोडक्शन तकनीक, कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। समारोह को संबोधित करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विवविद्यालय के कुलपति डॉक्टर गिरीश चंदेल ने कहा है कि कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स के बढ़ते महत्व को देखते हुए कृषि वैज्ञानिकों तथा प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स के उपयोग के बारे में जानना बहुत जरूरी है।

हरेली

छत्तीसगढ़ का लोकपर्व हरेली आज प्रदेशभर में पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सावन माह की अमावस्या को मनाए जाने वाले हरेली पर्व पर किसानों ने अपने कुल देवता और खेती में उपयोग किए जाने वाले औजारों की पूजा की। साथ ही बच्चों और युवाओं ने गेड़ी चढ़ने का आनंद लिया। रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में भी हरेली त्यौहार का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास में गौरी–गणेश, नवग्रह की पूजा कर भगवान शिव का अभिषेक किया। साथ ही नांगर, रापा, कुदाल व अन्य कृषि यंत्रों की विधिवत पूजा–अर्चना कर हरेली उत्सव का शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री साय ने समस्त प्रदेशवासियों की खुशहाली और सुख–समृद्धि की कामना की।

वहीं, उप मुख्यमंत्री अरुण साव के नवा रायपुर स्थित शासकीय निवास पर आज सुबह से हरेली की धूम रही। उन्होंने सपरिवार हल और कृषि औजारों की विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर गौमाता को आटे की लोंदी और गुड़ खिलाया।

हरेली पर्व के मौके पर आज राजधानी रायपुर के सीनियर सिटीजंस वेलफ़ेयर फ़ोरम के सदस्यों ने राजीव नगर स्थित शिवमंदिर परिसर तथा संसार वाटिका में पौधा रोपण किया। उच्च गुणवत्ता के आम, जामुन, आंवला और बेल के पौधे लगाए गए।

प्रदेश के विभिन्न जिलों में भी हरेली पर्व उत्साह के साथ मनाया गया।

बस्तर दशहरा

हरेली अमावस्या के मौके पर बस्तर की आराध्य देवी मां दन्तेश्वरी मन्दिर के सामने आज पाटजात्रा पूजा विधान के साथ ही पचहत्तर दिनों तक चलने वाला विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व शुरू हो गया है। बस्तर दशहरा पर्व के इस प्रथम पूजा विधान में बस्तर सांसद और बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और बस्तर दशहरा पर्व समिति के पारंपरिक सदस्य मांझी–चालकी, पुजारी, पटेल तथा सेवादारों के साथ ही बड़ी संख्या में जनसमुदाय शामिल हुआ। बस्तर दशहरा पर्व के पहले पूजा विधान पाटजात्रा में रथ निर्माण के लिए बनाए जाने वाले औजार ठुरलू खोटला तथा अन्य औजारों की परम्परागत तरीके से पूजा–अर्चना कर रस्म पूरी की गई।

किसान–नैनो डीएपी

राज्य सरकार के अनुसार चालू खरीफ मौसम में राज्य में खेती किसानी के लिए रासायनिक खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। राज्य सरकार ने चालू खरीफ मौसम में रासायनिक खाद के निर्धारित लक्ष्य से अभी तक चौरानवे प्रतिशत खाद का भंडारण कर लिया है। इसके साथ ही भंडारित खाद में से सत्तर प्रतिशत खाद का वितरण भी किसानों को कर दिया गया है। राज्य में यूरिया, एनपीके, पोटाश, सुपर फास्फेट जैसी रासायनिक खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और किसानों को उनकी मांग के अनुसार सरकारी समितियों से लगातार मिल रही है।

वहीं, राज्य सरकार द्वारा डीएपी के स्थान पर नैनो डीएपी उपलब्ध कराया जा रहा है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार इसके प्रयोग से किसानों को प्रति एकड़ धान की फसल में लगभग पचहत्तर रुपए का सीधा लाभ प्राप्त हो रहा है। धान की एक एकड़ फसल के लिए आवश्यक पचास किलोग्राम ठोस डीएपी खाद के स्थान पर केवल पच्चीस किलोग्राम ठोस डीएपी तथा आधा लीटर नैनो डीएपी की एक बोतल पर्याप्त होती है। नैनो डीएपी के उपयोग के लिए किसानों को जागरूक किया गया है। उन्हें डेमो देकर इसकी विधि भी सिखाई गई है। राज्य सरकार ने नैनो डीएपी के उपयोग को लेकर किसानों के बीच जागरूकता अभियान चलाया। कृषि विभाग के मैदानी अमले, कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों और प्रगतिशील किसानों की सहायता से खेतों में ठोस डीएपी के साथ नैनो डीएपी के संयुक्त प्रयोग की विधि के बारे में किसानों को जागरूक किया गया है।

दुर्घटना

कोरबा जिले के तानाखार गांव के पास हुई दुर्घटना में दो शिक्षकों की मौत हो गई है। वहीं, छह अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों को कोरबा के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमारी संवाददाता ने बताया कि एकलव्य हायर सेकेंडरी स्कूल पोड़ी–उपरोड़ा के छह शिक्षक और दो विद्यार्थियों का समूह एक वाहन में सवार होकर कटघोरा से अपने विद्यालय जा रहा था। कटघोरा नेशनल हाईवे बाईपास से चार किलोमीटर आगे तानाखार पहुंचने पर उनकी गाड़ी अंबिकापुर की तरफ से आ रहे ट्रक से टकरा गई।

घटना के बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान दो शिक्षकों की मृत्यु हो गई।

मौसम

और अब पेश है मौसम का हाल...

मौसम विभाग के अनुसार एक निम्नदाब का क्षेत्र उत्तर बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित है। इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रवाती घेरा भी बना हुआ है। अगले चौबीस घंटों में इसके प्रबल निम्नदाब के क्षेत्र के रूप में परिवर्तित होने की संभावना है। इसके असर से कल प्रदेश के अधिकांश स्थानों में हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने के आसार है। वहीं, मध्य छत्तीसगढ़ के जिलों में भारी से अति भारी वर्षा होने और आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है।

<><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><>
<><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><><>